



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 377]  
No. 377]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 15, 1979/भाद्र 24, 1901  
NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 15, 1979/BHADRA 24, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

### प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1979

क्र० प्र० 532(प्र).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 4 और धारा 35 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (निर्वाचन) नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (निर्वाचन) संशोधन नियम, 1979 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् (निर्वाचन) नियम, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 9 में,—
  - (i) उप-नियम (1) में, परम्पुक का लोप किया जाएगा ;
  - (ii) उप-नियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अंतःस्थापित किये जाएंगे, अर्थात् :—
 

“(1क) कोई भी निर्वाचक, प्रस्तावक के रूप में या अनुमोदक के रूप में, एक ही निर्वाचन में एक से अधिक नाम निर्देशन पत्रों पर हस्ताक्षर नहीं करेगा, और यदि वह ऐसा करता है, तो उसके हस्ताक्षर, प्रथम परिवर्तित पत्र से भिन्न किसी भी पत्र पर प्रवृत्त नहीं होंगे।

(1ख) इस नियम की कोई भी बात किसी अभ्यर्थी को, एक ही निर्वाचन के लिए एक से अधिक नाम निर्देशन पत्रों द्वारा नाम निर्देशित किए जाने से नहीं रोकेगी :

परन्तु किसी अभ्यर्थी द्वारा या उसकी ओर से चार से अधिक नाम-निर्देशन पत्र पेश या रिटनिंग आफिसर द्वारा स्वीकृत नहीं किये जायेंगे।

3. उक्त नियमों के नियम 11 में,—

- (i) उप-नियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—
 

“(2) रिटनिंग आफिसर नामनिर्देशन पत्रों की जांच करेगा और ऐसी सभी आपत्तियों का विनिश्चय करेगा जो किसी नामनिर्देशन के संबंध में की जाएं तथा ऐसी आपत्ति की जाने पर या स्वप्रेरणा से, ऐसी संक्षिप्त जांच करने के, यदि कोई हो, पश्चात्, जैसी वह आवश्यक समझे, किसी भी नामनिर्देशन पत्र को निम्नलिखित किसी भी आधार पर अस्वीकार कर सकेगा, अर्थात् :—
- (क) नामनिर्देशन पत्रों की संवीक्षा के लिए भिन्न की गई तारीख को अभ्यर्थी के पास निर्वाचन में खड़े होने के लिए मान्यताप्राप्त आयुविज्ञान अर्हता नहीं है ;
- (ख) उसका नाम भारतीय आयुर्विज्ञान राज्य रजिस्टर में दर्ज नहीं है और वह उस राज्य में, जिससे वह निर्वाचन में खड़ा हुआ है, निवास नहीं करता है ;
- (ग) वह किसी अन्य द्वैसियत में, केन्द्रीय परिषद् का पहले से ही सदस्य

जोषा  
एच. टी.ए.  
अभि. प्रिं. क.  
—: प्रिं. क.

- (ब) नामनिर्देशन पत्र नियत समय और तारीख को या उससे पूर्व रिटनिंग आफिसर को प्राप्त नहीं हुआ है ;
- (क) नामनिर्देशन पत्र पर अभ्यर्थी या प्रस्तावक या अनुमोदक के हस्ताक्षर भसली नहीं हैं ;
- (ख) प्रस्तावक या अनुमोदक के हस्ताक्षर नियम 9 के उपनियम (1क) के उपबन्धों के प्रतिकूल हैं ;
- (घ) प्रस्तावक या अनुमोदक ऐसे निर्वाचन में मतदान करने का हक्कदार नहीं हैं ।”

(ii) उपनियम (3) का लोप किया जाएगा ।

4. उक्त नियमों के नियम 12 में,

- (i) उपनियम (2) में, “या उसी निर्वाचन में अभ्यर्थी के रूप में पुनः नामनिर्दिष्ट होने की” शब्दों का लोप किया जाएगा ;
- (ii) उपनियम (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) रिटनिंग आफिसर, वापस लेने की सूचना प्राप्त होने पर और उपनियम (1) के अधीन वापस लेने की सूचना की प्रसूचित के बारे में समाधान हो जाने पर, सूचना को अपने कार्यालय में किसी सहज दृश्य स्थान पर चिपकवा देगा ।”

5. उक्त नियमों के नियम 13 में, उपनियम (4) में के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4क) रिटनिंग आफिसर उपनियम (4) में निर्दिष्ट मत पत्र और अन्य संबंधित पत्र निर्वाचकों को भेजने के पश्चात्, राज्य के अधिकांश भाग में बिकने वाले अंग्रेजी भाषा के दैनिक समाचार पत्र के एक अंक में, और प्रादेशिक भाषा के ऐसे दैनिक समाचार पत्र के एक अंक में, जो रिटनिंग आफिसर उपयुक्त समझे, राज्य रजिस्ट्रार में यथा उल्लिखित मतदाताओं के पत्तों पर ऐसे मत पत्रों और अन्य संबंधित पत्रों के भेज दिए जाने के तथ्य के बारे में एक विज्ञापन प्रकाशित करेगा ।”

6. उक्त नियमों के नियम 14 में,—

- (i) नियम में या उसके पार्श्व शीर्षक में, “रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा” शब्दों के स्थान पर “डाक द्वारा” शब्द रखे जाएंगे ; और
- (ii) “या अरजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा प्राप्त होने वाले” शब्दों का लोप किया जाएगा ।

7. उक्त नियमों के नियम 16 में, पार्श्व शीर्षक में “रजिस्ट्रीकृत लिफाफे” शब्दों के स्थान पर “लिफाफे” शब्द रखा जाएगा ।

8. उक्त नियमों के नियम 19 में, उपनियम (2) में स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) यदि मतों की गणना पूरी हो जाने के पश्चात् यह पाया जाता है कि किसी अभ्यर्थियों को बराबर-बराबर मत मिले हैं और किसी भी अभ्यर्थी को एक मत और मिल जाने से वह निर्वाचित घोषित किये जाने का हकदार हो जाता है तो रिटनिंग आफिसर उन अभ्यर्थियों के बीच विनिश्चय लाटरी द्वारा करेगा तथा इस प्रकार आगे कार्यवाही करेगा मानो उस अभ्यर्थी को जिसकी लाटरी निकली है, प्रतिरिक्त मत प्राप्त हुआ है ।”

9. उक्त नियमों के नियम 23 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायगा, अर्थात् :—

“23. संकाय अथवा विभाग द्वारा निर्वाचन :—विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, सिद्ध और युवानी शिक्षा पद्धति के प्रत्येक संकाय या विभाग (चाहे उसका जो भी नाम हो) के सदस्य, अपनी अपनी शिक्षा पद्धति के लिये निम्नलिखित रीति से अपने में से एक सदस्य का निर्वाचन करेंगे, अर्थात् :—

(क) विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार निर्वाचन की तारीख, समय और स्थान प्रत्येक सदस्य को बैठक की तारीख से कम से कम तीन दिन पूर्व सूचित करेगा ;

(ख) बैठक में उपस्थित कोई भी सदस्य, केन्द्रीय परिषद के सदस्य के रूप में निर्वाचन के लिये किसी अभ्य उपस्थित सदस्य के नाम का प्रस्ताव करने का हकदार होगा और ऐसे प्रस्ताव के लिये यह अपेक्षित होगा कि उसके प्रस्तावक या जिस व्यक्ति का नाम प्रस्तावित किया गया है, उससे भिन्न कोई सदस्य उसका अनुमोदन करे ;

परन्तु एक सदस्य एक ही नाम प्रस्तावित या अनुमोदित करने का हकदार होगा ;

(ग) कोई भी अभ्यर्थी, वास्तविक निर्वाचन होने के पूर्व अपनी अभ्यर्थिता वापस ले सकेगा ;

(घ) यदि एक ही अभ्यर्थी का नाम सम्यक् रूप से प्रस्तावित या अनुमोदित किया जाता है, तो विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार तुरन्त ऐसे व्यक्ति को, सम्यक् रूप से निर्वाचित घोषित करेगा ;

(ङ) यदि सम्यक्तः प्रस्तावित और अनुमोदित अभ्यर्थियों की संख्या एक से अधिक है तो निर्वाचन गुप्त मतदान द्वारा किया जायगा ;

(च) इस प्रकार सूचित की गई तारीख को वास्तविक निर्वाचन के प्रारम्भ के पूर्व विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार सदस्यों की मतपेटी का निरीक्षण करने के लिये, यदि वे ऐसा करना चाहें, तो आमंत्रित करेगा और तत्पश्चात् वह उस मतपेटी में ताला लगा देगा ;

(छ) वास्तविक निर्वाचन की तारीख को, बैठक में उपस्थित सदस्य, एक एक करके उस सूची में अपने नाम के सामने हस्ताक्षर करेंगे जिसमें सभी सदस्यों का नाम वर्णक्रम में लिखे हैं और जो मतपेटी के पास रखी है ;

(ज) जब सदस्य उक्त सूची में अपने हस्ताक्षर कर लेगा तब उसे एक मत पत्र दिया जायगा, जिसमें सभी अभ्यर्थियों के नाम और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर होंगे । वह ऐसे मतपत्र को, उस पर अपनी पसन्द के अभ्यर्थी के नाम के सामने (X) चिन्ह लगाकर मतपेटी में डाल देगा ;

(झ) जैसे ही उपस्थित और मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के इच्छुक सभी सदस्य ऐसा कर लेंगे, विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार ऐसे अभ्यर्थियों की उपस्थिति में, जो व्यक्तिगत रूप में उपस्थित हों, मतपेटी खोलेगा और उसमें से सभी मतपत्र बाहर निकालेगा उनका निरीक्षण करेगा और ऐसे किसी भी मतपत्र को अविविमान्य मान कर अस्वीकार कर देगा, जिस पर—

(क) विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर नहीं हैं ; या

(ख) सदस्य अपना नाम या कोई शब्द लिख देता है या कोई ऐसा चिन्ह बना देता है, जिससे यह पहचान हो सकती है कि वह उसका मतपत्र है ; या

(ग) कोई मत चिन्ह नहीं लगाया जाता है ; या

(घ) प्रयुक्त मत अनिश्चित है ; या

(ङ) मत एक से अधिक अभ्यर्थी के हक में दिया गया है ;

(झ) विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार, विविमान्य मतों को उन अभ्यर्थियों के अनुसार जिनके हक में वे डाले गये हैं, व्यथित करेगा और उनकी गणना प्रत्येक अभ्यर्थी के लिये पृथक्तः करेगा ;

(ट) गणना समाप्त होने के पश्चात् विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त किये गये मतों के बारे में बैठक में घोषणा करेगा और वह विधिमानी मतों की अधिकतम संख्या प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को केन्द्रीय परिषद् के सदस्य के रूप में समयकतः निर्वाचित भी घोषित करेगा

(ठ) यदि दो या अधिक अभ्यर्थियों को बराबर-बराबर मत प्राप्त होते हैं और ऐसे मतों की संख्या, बराबर संख्या में मत प्राप्त करने वाले ऐसे दो या अधिक अभ्यर्थियों से शिवा किसी अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त मतों की संख्या से अधिक है, तो ऐसे अभ्यर्थियों के बीच अवधारण लाटरी द्वारा किया जायगा और जिस अभ्यर्थी की लाटरी निकलती है, उसे निर्वाचित घोषित किया जायगा।

10. उक्त नियमों से] उपाखण्ड प्राक् 4 में, पैरा 1 के उपपैरा (ष) और पैरा 2 के उपपैरा (क) में "रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा" शब्दों के स्थान पर "डाक द्वारा" शब्द रखे जाएंगे।

[संख्या बी० 26012/1/74-ए०ई०]

टी० बी० एन्टोनी, संयुक्त सचिव

#### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 15th September, 1979

#### NOTIFICATION

**S.O. 532(E).**—In exercise of the powers conferred by section 4 and section 35 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Indian Medicine Central Council (Election) Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Medicine Central Council (Election) Amendment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 9 of the Indian Medicine Central Council (Election) Rules, 1975 (hereinafter referred to as the said rules) :—

(i) in sub-rule (1), the provisos shall be omitted ;

(ii) after sub-rule (1), the following sub-rules shall be inserted, namely :—

"(1A) No elector shall subscribe, whether as proposer or as seconder, more than one nomination paper at the same election, and if he does, his signature shall be inoperative on any paper other than the one first delivered.

(1B) Nothing in this rule shall prevent any candidate from being nominated by more than one nomination paper for the same election :

Provided that not more than four nomination papers shall be presented by or on behalf of any candidate or accepted by the Returning Officer."

3. In rule 11 of the said rules,—

(i) for sub-rule (2) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) The Returning Officer shall examine the nomination papers and shall decide all objections which may be made to any nomination and may, either on such objection or on his own motion, after such summary inquiry, if any, as he thinks necessary, reject any nomination paper on any of the following grounds, namely :—

(a) that on the date appointed for the scrutiny of nomination papers, the candidate does not pos-

sess a recognised medical qualification for standing in an election ;

(b) that he is not enrolled on the State Register of Indian Medicine and does not reside in the State from which he stands for election ;

(c) that he is already a member of the Central Council in any other capacity ;

(d) that the nomination paper is not received by the Returning Officer on or before the appointed time and date ;

(e) that the signature of the candidate or the proposer or the seconder on the nomination paper is not genuine .

(f) that the signature of the proposer or the seconder is contrary to the provisions of sub-rule (1A) of rule 9 ; and

(g) that the propose or the seconder is not entitled to vote at such election."

(ii) sub-rule (3) shall be omitted.

4. In rule 12 of the said rules,—

(i) in sub-rule (2), the words "or to be renominated as a candidate for the same election" shall be omitted ;

(ii) for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(3) the Returning Officer shall, on receiving a notice of withdrawal and on being satisfied as to the genuineness of the notice of withdrawal under sub-rule (1), cause the notice to be affixed in some conspicuous place in his office."

5. In rule 13 of the said rules, after sub-rule (4), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(4A) The Returning Officer shall, after sending to the electors the voting papers and other connected papers referred to in sub-rule (4), publish an advertisement, in one issue of the daily newspaper in the English language having circulation in the major part of the State and one issue of such daily newspaper in the regional language as the Returning Officer may consider suitable, about the fact of having posted such voting papers and other connected papers at the addresses of the electors as mentioned in the State Register."

6. In rule 14 of the said rules,—

(i) in the marginal heading and in the body of the rule, for the words "by registered post", the words "by post" shall be substituted; and

(ii) the words "or received by unregistered post" shall be omitted.

7. In rule 16 of the said rules, in the marginal heading, for the words "registered covers", the word "covers" shall be substituted.

8. In rule 19 of the said rules, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) If, after the counting of the votes is completed, an equality of votes is found to exist between any candidates, and the addition of one vote will entitle any of those candidates to be declared elected, the Returning Officer shall forthwith decide between those candidates by draw of lots and proceed as if the candidate on whom the lot falls had received an additional vote."

9. For rule 23 of the said rules, the following rule shall be substituted namely :—

"23. Election by Faculty or Department.—The members of the Faculty or Department (by whatever name called) of each of the Ayurveda, Siddha and Unani

systems of medicine of the University shall elect one member for the respective system of medicine from amongst themselves in the following manner, namely :—

- (a) the date, time and place of the election shall be intimated to each of the members by the Registrar of the University at least thirty days before the date of meeting ;
- (b) any member present at the meeting shall be entitled to propose a name of any member present, for election as a member of the Central Council and such proposal shall be required to be seconded by a member other than the proposer or the one whose name is proposed ;

Provided that one member shall be entitled to propose or second only one name ;

- (c) any candidate may withdraw his candidature before the actual election ;
- (d) if the name of only one candidate is duly proposed and seconded, the Registrar of the University shall forthwith declare, such candidate as duly election ;
- (e) if the number of candidates duly proposed and seconded exceeds one, an election shall be held by secret ballot ;
- (f) before the commencement of the actual election on the date so intimated, the Registrar of the University shall invite the members to inspect ballot box, in case they may like to do so, and he shall then lock the box ;
- (g) on the date of actual election, the members present in the meeting shall, one by one, sign against their names in the list which contains the names of all the members in alphabetical order and is placed along the side of the ballot box .
- (h) after a member has signed his name in the said list, he shall be given a ballot paper containing the names of all the candidates and signature of the Registrar of the University, which he shall drop into the ballot box after affixing thereon a cross (X) mark against the name of the candidate of his choice ;

- (i) as soon as all the members present and wishing to exercise the right to vote have done so, the Registrar of the University, shall, in the presence of the candidates who may be present in person, open the ballot box and take out from it all the ballot papers, examine them and reject as invalid any ballot paper :—

- (A) if it does not bear the signature of the Registrar of the University ; or
- (B) if the member signs his name or writes any word or makes any mark on it by which it becomes recognisable as his ballot paper ; or
- (C) if no vote is recorded thereon ; or
- (D) if there is uncertainty of the vote exercised ; or
- (E) if the vote has been given in favour of more than one candidate ;

- (j) the Registrar of the University shall then proceed to arrange the valid votes according to the candidates in whose favour they have been cast and count them separately for each candidate ;

- (k) after the counting is over, the Registrar of the University shall make an announcement in the meeting about the votes secured by each of the candidates and he shall also declare the candidate securing the largest number of valid votes as duly elected to be a member of Central Council .

- (l) in the event of two or more candidates securing the same number of votes and that number being more than the number of votes secured by any candidate other than the two or more securing the same number of votes, the determination as between such candidates shall be by draw of lots and the candidates on whom the lot falls, shall be declared elected."

10. In Form IV annexed to the said rules, in sub-paragraph (d) of paragraph 1 and in sub-paragraph (a) of paragraph 2, for the words "by registered post", the words "by post" shall be substituted.

[No. V. 26012/1/74-AE]

T. V. ANTONY, Joint Secy.